भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं.2117**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 02 अगस्त, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

मिर्च का उत्पादन

2117. श्री पोचा ब्रह्मानंद रेड्डी :

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान मिर्च का कुल कितना उत्पादन और निर्यात किया गया है;

(ख) क्या शीर्ष मिर्च उत्पादक और निर्यातक के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए सरकार का एक पृथक मिर्च बोर्ड स्थापित करने का प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार ने मिर्च उद्योग के समक्ष आ रही समस्याओं के समाधान के लिए कोई प्रयास किए हैं; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान मिर्च का कुल उत्पादन और निर्यात नीचे दिया गया है:

	उत्पादन	निर्यात	
वर्ष	मात्रा (एमटी)	मात्रा (एमटी)	मूल्य (लाख रुपए में)
2020-21	2049213	649815	924127
2021-22	1836222	557144	858458
2022-23 (अग्रिम अनुमान)	1957635	516185	1044592

स्रोत: कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय (उत्पादन) और मसाला बोर्ड (निर्यात)

(ख) और (ग) : वर्तमान में, ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। मिर्च के उत्पादन, अनुसंधान, विकास और घरेलू विपणन का अधिदेश केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय में निहित है। मसाला बोर्ड के पास मिर्च सहित मसालों के निर्यात संवर्धन का अधिदेश है। मसाला बोर्ड फसलोपरांत सुधार, बाजार संपर्क बनाने और मिर्च सहित मसालों के निर्यात संवर्धन के लिए गतिविधियां कर रहा है।

(घ) और (ङ): मसाला बोर्ड की 'एकीकृत मसाला निर्यात संवर्धन एवं गुणवत्ता सुधार और इलायची अनुसंधान एवं विकास स्कीम' नामक स्कीम के निर्यात विकास एवं संवर्धन घटक का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में मिर्च सहित मसालों का संवर्धन करना, अवसंरचना विकास, मूल्यवर्धन, व्यापार संवर्धन आदि के लिए निर्यातकों की सहायता करना है। इसके अलावा, भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के माध्यम से संबंधित राज्य बागवानी मिशनों (एसएचएम) द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) के अंतर्गत देश में मिर्च के विकास के लिए विभिन्न विकास कार्यक्रमों का कार्यान्वयन करती है। मिशन कार्यक्रमों का उद्देश्य घरेलू और निर्यात बाजार में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उत्पाद के उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता में वृद्धि करना है।

इसके अतिरिक्त, मिर्च उद्योग को सहायता देने के लिए मसाला बोर्ड द्वारा विभिन्न अन्य उपाय जैसे मिर्च सहित मसालों के प्रसंस्करण, मूल्य वर्धन और भंडारण के लिए मसाला पार्कों की स्थापना; चिली टास्क फोर्स समिति का गठन; गुणवत्ता सुधार और उद्यमिता विकास के उद्देश्य से मिर्च के हितधारकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन; आयातक देशों के गुणवत्ता विनिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशालाओं के माध्यम से मिर्च की निर्यात खेपों का गुणवत्ता मूल्यांकन कार्यान्वित किए गए हैं ।

*****